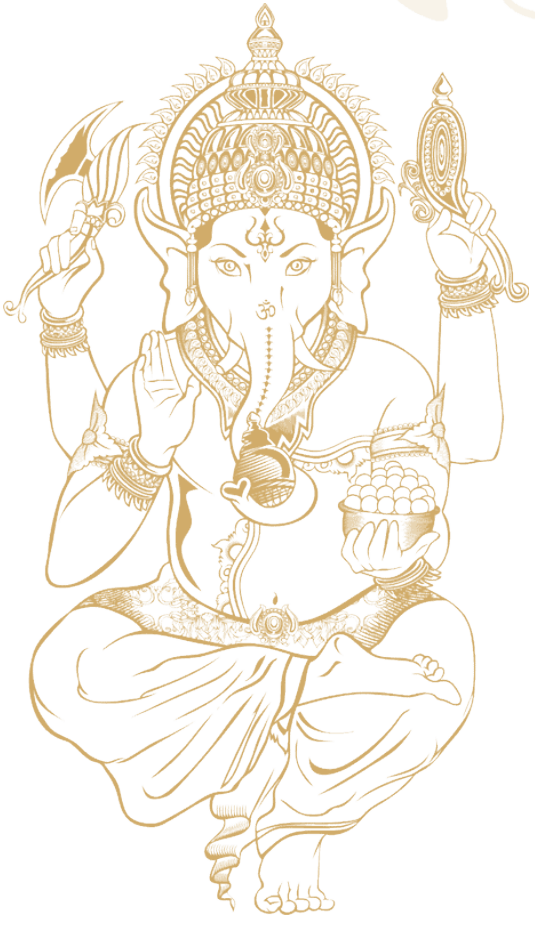

Arpit paswan

07 Feb 2019

01:15 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121336704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/02/2019**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:15:00 घंटे**
इष्ट	45:20:28 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:53:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:03 घंटे
साम्पातिक काल	10:00:29 घंटे
सूर्योदय	07:06:48 घंटे
सूर्यास्त	18:03:54 घंटे
दिनमान	10:57:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:36:23 मकर
लग्न के अंश	28:00:13 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	परिघ
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	28:00:13	306:52:19	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मक	23:36:23	01:00:50	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	14:36:51	11:50:52	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			मेष	00:43:06	00:40:38	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
बुध		अ	मक	29:19:57	01:47:39	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु			वृश्चि	24:37:40	00:09:47	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			धनु	09:10:50	01:08:49	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
शनि			धनु	21:27:59	00:06:22	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु	व		कर्क	02:34:54	00:03:32	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	02:34:54	00:03:32	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	04:53:34	00:01:34	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	---
नेप			कुंभ	21:00:10	00:02:04	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	27:41:36	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	03:49:21	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:12

लग्न-चलित

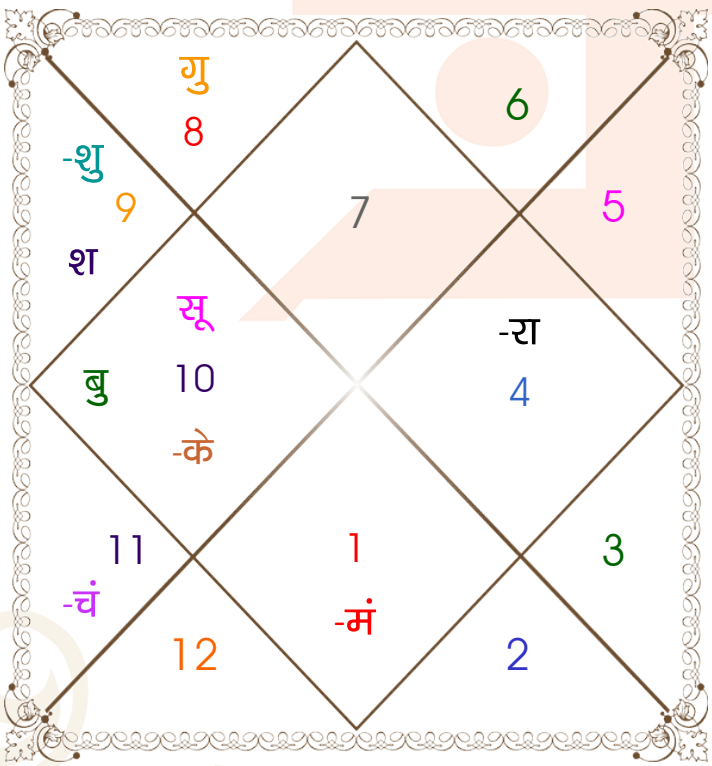

चन्द्र कुंडली

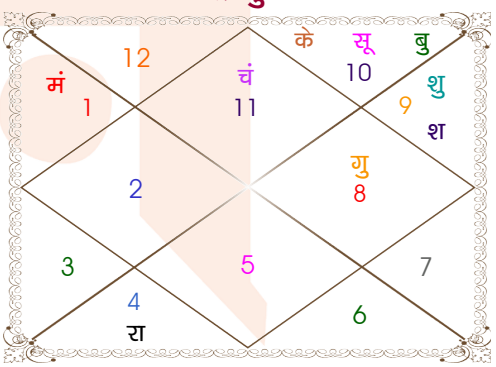

नवमांश कुंडली

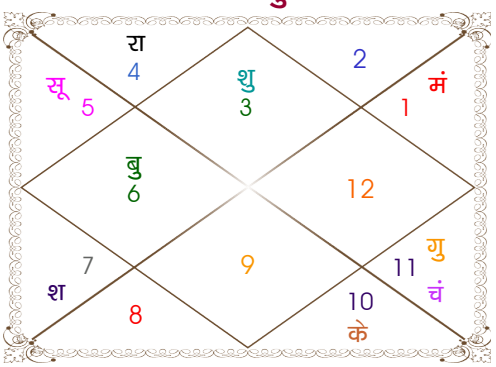

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 3 मास 7 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/02/2019		16/05/2026		16/05/2042		16/05/2061		16/05/2078	
16/05/2026		16/05/2042		16/05/2061		16/05/2078		16/05/2085	
	00/00/0000	गुरु	03/07/2028	शनि	19/05/2045	बुध	13/10/2063	केतु	12/10/2078
	00/00/0000	शनि	15/01/2031	बुध	27/01/2048	केतु	09/10/2064	शुक्र	13/12/2079
	00/00/0000	बुध	22/04/2033	केतु	07/03/2049	शुक्र	10/08/2067	सूर्य	18/04/2080
	07/02/2019	केतु	29/03/2034	शुक्र	07/05/2052	सूर्य	15/06/2068	चंद्र	17/11/2080
केतु	03/12/2019	शुक्र	27/11/2036	सूर्य	19/04/2053	चंद्र	15/11/2069	मंगल	16/04/2081
शुक्र	03/12/2022	सूर्य	15/09/2037	चंद्र	18/11/2054	मंगल	12/11/2070	राहु	04/05/2082
सूर्य	28/10/2023	चंद्र	15/01/2039	मंगल	28/12/2055	राहु	31/05/2073	गुरु	10/04/2083
चंद्र	28/04/2025	मंगल	22/12/2039	राहु	03/11/2058	गुरु	06/09/2075	शनि	19/05/2084
मंगल	16/05/2026	राहु	16/05/2042	गुरु	16/05/2061	शनि	16/05/2078	बुध	16/05/2085

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/05/2085		17/05/2105		18/05/2111		17/05/2121		17/05/2128	
17/05/2105		18/05/2111		17/05/2121		17/05/2128		00/00/0000	
शुक्र	15/09/2088	सूर्य	04/09/2105	चंद्र	17/03/2112	मंगल	13/10/2121	राहु	28/01/2131
सूर्य	15/09/2089	चंद्र	05/03/2106	मंगल	16/10/2112	राहु	01/11/2122	गुरु	23/06/2133
चंद्र	17/05/2091	मंगल	11/07/2106	राहु	17/04/2114	गुरु	08/10/2123	शनि	28/04/2136
मंगल	16/07/2092	राहु	05/06/2107	गुरु	17/08/2115	शनि	15/11/2124	बुध	16/11/2138
राहु	16/07/2095	गुरु	23/03/2108	शनि	17/03/2117	बुध	13/11/2125	केतु	08/02/2139
गुरु	16/03/2098	शनि	05/03/2109	बुध	17/08/2118	केतु	11/04/2126		00/00/0000
शनि	17/05/2101	बुध	09/01/2110	केतु	18/03/2119	शुक्र	11/06/2127		00/00/0000
बुध	17/03/2104	केतु	17/05/2110	शुक्र	15/11/2120	सूर्य	17/10/2127		00/00/0000
केतु	17/05/2105	शुक्र	18/05/2111	सूर्य	17/05/2121	चंद्र	17/05/2128		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 3 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।